व्याख्यान में बोलते आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा। संवाद

छह साल में छह गुना बढ़ा आयुष दवाओं का कारोबार : डॉ. राजेश

महायोगी गोरखनाथ विवि में आयोजित व्याख्यान में बोले आयुष मंत्रालय के सचिव

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। 2014 के बाद भारत सरकार के प्रयास से आयुष का [illegible] कारोबार छह गुना रफ्तार से आगे बढ़ा है। 2014 में किए गए एक [illegible] अध्ययन में निष्कर्ष निकला था कि देश में आयुष इंडस्ट्री का आकार तीन बिलियन [illegible] था। 2020 में [illegible] अध्ययन में यह आंकड़ा 18.1 बिलियन डॉलर पहुंच चुका था। छह साल में छह गुना विकास [illegible] आंकड़ा देश में आयुष की [illegible] करता है।

ये जानकारी केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सचिव, पद्मश्री वैद्य डॉ. राजेश कोटेचा ने दी। वह [illegible] महायोगी गोरखनाथ विवि, आरोग्यधाम बालापार, गोरखपुर के [illegible] में बोल रहे थे।

'आयुर्वेद उपचार की एक सुव्यवस्थित प्रणाली'

व्याख्यान के मुख्य विशिष्ट वक्ता केजीएमयू लखनऊ के पूर्व कुलपति प्रो. [illegible] ने कहा कि आयुर्वेद बीमारियों से निदान एवं बचाव के साथ ही [illegible] की एक सुव्यवस्थित प्रणाली है। 2014 में पीएम मोदी ने केंद्र में अलग आयुष मंत्रालय बनाया तो उत्तर प्रदेश में 2017 में मुख्यमंत्री योगी ने अलग आयुष मंत्रालय की स्थापना की। देश में आयुर्वेद के विकास के लिए 2014 में नेशनल आयुष मिशन की स्थापना की गई। इस मौके पर महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति [illegible] आदि रहे।

हिन्दुस्तान - 18/10/22

आयुष विवि में अगले माह शुरू हो सकती है ओपीडी

- सीएम कर सकते हैं नवंबर में उद्घाटन
- कुलपति ने मांगा सीएम ऑफिस से समय

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय में अगले महीने ओपीडी शुरू हो सकती है। निर्माणाधीन महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय में इसको लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं।

इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों होगा। इसके लिए कुलपति प्रो. एके सिंह ने मुख्यमंत्री कार्यालय को पत्र भेजकर समय मांगा है। बताया जा रहा है कि 20 से 30 नवंबर के बीच ओपीडी की शुरुआत हो सकती है।

आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण भटहट में हो रहा है। निर्माण कार्य का निरीक्षण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक तक कर चुके हैं। इस माह निरीक्षण करने आए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने निर्देश भी दिया था कि [illegible] हॉल का काम तेजी से कराया जाए, जिससे जल्द से जल्द ओपीडी शुरू हो सके। इसका असर यह हुआ कि संस्था ने निर्माण कार्य अगले माह 15 नवंबर तक पूरा करने की बात कही है। कुलपति डॉ. एके सिंह ने बताया कि संस्था अगले माह 15 नवंबर तक ओपीडी चलाने के लिए भवन का निर्माण कर देगी।

इसी देखते हुए मुख्यमंत्री से अगले माह के लिए समय मांगा गया है। जैसे ही मुख्यमंत्री कार्यालय से तिथि फाइनल होती है वैसे ही उनके हाथों ओपीडी का उद्घाटन कराकर इसकी शुरुआत कर दी जाएगी।

[illegible] 18/10/22

'Ayurveda has power to become Vishwaguru in medical therapy'

Gorakhpur: The weeklong celebration of the 7th Ayurveda festival and Dhanwantari Jayanti kicked off at Guru Gorakshnath Institute of Medical Sciences at Arogyadham Balapar on Monday. Attending the event as chief guest, Mahayogi Gorakhnath University Vice Chancellor Prof AK Singh said Ayurveda is the oldest medical therapy of the world that has no side effects and it has the power to become a global teacher (vishwaguru). However, there is a dire need to create more awareness on it. Principal of Lalit Hari State PG Ayurvedic College, Pilibhit, Prof [illegible] said, "People now do understand the importance of Ayurveda. The time period from [illegible] to [illegible] is the golden era for Ayurveda Amrit Kal. We need to accept the therapy as the first medicinal therapy and not as an alternative." Presiding over the meeting, Mahayogi Gorakhnath University VC Major General Atul Bajpai said treatment like plastic surgery has also been described in ancient Ayurveda books. TNN